ये अव्यक्त इशारे

अब लगन की अग्नि को प्रज्वलित कर योग को ज्वाला रूप बनाओ

25-09-2025

जैसे अग्नि में कोई भी चीज़ डालो तो नाम, रूप, गुण सब बदल जाता है, ऐसे जब बाप के याद के लगन की अग्नि में पड़ते हो तो परिवर्तन हो जाते हो। मनुष्य से ब्राह्मण बन जाते, फिर ब्राह्मण से फरिश्ता सो देवता बन जाते। लग्न की अग्नि से ऐसा परिवर्तन होता है जो अपनापन कुछ भी नहीं रहता, इसलिए याद को ही ज्वाला रूप कहा है।

Now ignite the fire of love and make your yoga volcanic.

When you put something into a fire, its name, form and quality changes. In the same way, when you put yourself into the fire of remembrance of the Father, you become transformed. From human beings, you become Brahmins and from Brahmins, you then become angels who then become deities. Such transformation takes place in the fire of love when no consciousness of yours self remains. This is why your remembrance should be of the volcanic form.